आईसीएमआर श्वसन रोग अनुसंधान केंद्र की स्थापना को मंज़ूरी

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **भारतीय आयुर्वज्ञिान अनुसंधान परषिद (आईसीएमआर)** ने **अखलि भारतीय आयुर्वज्ञिान संस्थान, रायपुर** में साँस की गंभीर बीमारयिों पर शोध के लयि एक केंद्र स्थापति करने को मंज़ूरी दे दी है।

प्रमुख बदिु

- एम्स रायपुर में स्थापति होने वाला यह केंद्र देश में स्थापति कयि जा रहे 20 केंद्रों में से एक होगा। इन केंद्रों को पल्मोनरी फाइब्रोससि के आईसीएमआर नेटवर्क के रूप में नामति कयिा गया है।
- यह श्वसन प्रणाली को प्रभावति करने वाले रोगों के संबंध में वस्तृित आँकड़े एकत्रति कर चकित्िसा सुवधिाओं को वकिसति करने में मदद करेगा।
- केंद्र के प्रधान अन्वेषक नयिुक्त कयि गए **डॉ. अजय कुमार बेहरा** ने बताया कि यह पाँच साल का प्रोजेक्ट है।
- रायपुर एम्स का पल्मोनरी वभिाग रोजाना 250 मरीजों की रपिोर्ट करता है। यह केंद्र कोवडि-19 के बाद के रोगयिों का डेटा एकत्र करने और उनके उपचार का वस्तिार करने में महत्त्वपूर्ण भूमका निभाने में मदद करेगा।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/approval-for-establishment-of-icmr-respiratory-disease-research-center